तापमान
अधिकतम 28.4 डिग्री
न्यूनतम 16.3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 15 नवंबर 2026

12 जनता के वोट पर पहरा देगी कांग्रेस, भाजपा को देना होगा..



12 कांग्रेसियों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री को किया याद



खबर संक्षेप

दो बाइकों की भिड़ंत में मां-बेटा घायल

यमुनानगर। प्रताप नगर के भंगेड़ी मोड के पास दो बाईकों की भिड़ंत में मां बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव रझेडी निवासी सोहनलाल ने प्रताप नगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका उसकी पत्नी भारती बेटे प्रियांशु के साथ 12 नवंबर को बाइक पर किसी काम से गए थे।

महिला के बैग से सोने के टॉप्स व मोबाइल चोरी

यमुनानगर। बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही महिला के बैग से चोरों ने सोने के टॉप्स व मोबाइल चोरी कर लिया। महिला को जब अपने टॉप्स व मोबाइल गायब मिला तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव भोगपुर निवासी कुलदीप कुमार ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी 13 नवंबर को दोपहर एक बजे यमुनानगर बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान उसने अपना बैग साइड में रख दिया। कुछ देर बाद जब उसने अपना बैग चेक किया तो उसमें से सोने के टॉप्स व मोबाइल गायब मिला।

प्रतिबंधित दवाई के कैप्सूलों के साथ एक युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। हरियाणा स्टेट नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो यूनिट यमुनानगर की टीम ने पंजूपुर मोड पुरानी चुंगी यमुनानगर के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 ग्राम हेरोइन व प्रतिबंधित दवाई के 240 नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार यूनिट के निरीक्षक में महरूफ अली ने बताया कि वह गत 13 नवंबर को शाम चार बजे टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि पंजूपुर मोड पुरानी चुंगी यमुनानगर के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है।

कई सालों से फरार चल रहा पीओ काबू

अंबाला। जिला अम्बाला में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पीओ स्टाफ अम्बाला ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में जमानत मिलने के बाद वर्षों से फरार चल रहे तीन उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पकड़े गए आरोपियों में एक आरोपी 1993 के मामले में पिछले 30 वर्षों से फरार चल रहा था। इस संबंध में जानकारी देते हुए पीओ स्टाफ इंचार्ज उप-निरीक्षक नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अम्बाला के दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए टीम ने तीनों आरोपियों को काबू किया।

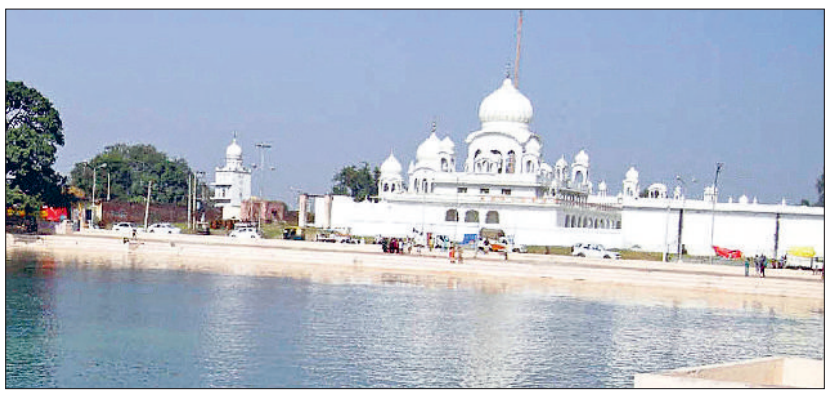
श्रीकपालमोचन स्थल स्थित तीनों सरोवर पवित्र जल भरने से हुए लबालब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

ऐतिहासिक श्रीकपालमोचन मेले में प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर किए जा रहे इंतजाम, शनिवार को सरोवर में श्रमिकों ने की साफ-सफाई

उत्तर भारत के सिंधुवन में स्थित श्रीकपाल मोचन मेले के शुरु होने में अब मात्र छह दिन शेष रह गए हैं। मेले के लिए तीर्थराज सजकर तैयार है। तीर्थ स्थल स्थित तीनों सरोवरों में पवित्र जल भर दिया गया है। जिससे तीनों सरोवर पवित्र जल से लबालब हो गए हैं। वहीं, तीर्थ स्थल की सजावट की जा रही है। मेला प्रशासक एवं व्यासपुर के एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह के मुताबिक मेले का आयोजन 20 नवंबर से 24 नवंबर तक किया जाएगा।

मेला प्रशासक एवं व्यासपुर के एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि जिला उपायुक्त एवं श्री कपाल मोचन, श्री बद्री नारायण, श्री माता मंत्रा देवी, श्री केदारनाथ मंदिर धार्मिक एवं पूजा स्थल बोर्ड यमुनानगर के मुख्य प्रशासक प्रीति के मार्ग दर्शन में मेला के आवश्यक प्रबंधों का कार्य अंतिम चरण में हैं। जिन्हें समय रहते पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री कपाल मोचन मेले में देश के विभिन्न राज्यों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां के तीनों पवित्र सरोवरों. श्री कपाल मोचन सरोवर, श्री ऋण मोचन सरोवर व श्री सूरज कुण्ड सरोवर में क्रमवार स्नान करने के लिए आते हैं। कपाल मोचन मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलें ऐसे सभी अधिकारियों के प्रयास रहेंगे । मेला प्रशासक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि मेले में सफाई व्यवस्था, दवाइयों के प्रबन्ध, अस्थाई शौचालयों, पेयजल के प्रबन्ध, सड़कों की की मरम्मत, बिजली का प्रबन्ध, खाद्य सामग्री, दूध की आपूर्ति, बैरिकेटिंग, पुलिस प्रबन्ध व अन्य सभी आवश्यक प्रबन्ध समय पर पूरे कर लिए जाएंगे।



यमुनानगर। श्री कपालमोचन में पवित्र जल से भरा हुआ श्रीकपालमोचन सरोवर।

मेला स्थल पर लगाई जाएगी भव्य प्रदर्शनी

मेला प्रशासक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक श्रीकपाल मोचन मेले में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाए जाएगें। मेले में सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग तथा सांस्कृतिक कार्य विभाग के कलाकार गीतों, भजनों व लोक गीतों के माध्यम से विश्व प्रसिद्ध श्री कपाल मोचन श्री आदि बद्री मेला में पधारे लाखों श्रद्धालुओं व यात्रियों का मनोरंजन धार्मिक गीतों व भजनों से करेंगे। उन्होंने बताया कि मेला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो।

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता प्रबंध

मेला प्रशासक एवं व्यासपुर के एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि मेले में यात्रियों की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रबंध पुलिस विभाग द्वारा किए जाएंगे। पूरे मेला क्षेत्र को चार सेक्टरों में बांटा जाएगा। मेले के दौरान नशीली दवाओं व नशीली चीजों की विशेष रूप से चेकिंग की जाएगी। मेला क्षेत्र में सेक्टर वाइज फायर ब्रिगेड के दमकल वाहन तैनात रहेंगे।

रानीखेत-खैरना मार्ग पर पन्याली के पास हादसा, सभी ने कार से कूदकर बचाई जान

उत्तराखंड घूमने गए करनाल के छह पर्यटकों की कार में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा के करनाल से उत्तराखंड घूमने गए छह पर्यटकों की कार में शुक्रवार शाम रानीखेत-खैरना मोटर मार्ग पर पन्याली के पास अचानक आग लग गई। पर्यटकों में करनाल की बंगाली कॉलोनी निवासी प्रवीण कुमार शाह भी शामिल थे। सभी लोग रेनॉल्ट ट्राइबर सीएनजी कार से उत्तराखंड घूमने गए थे। उन्होंने पहले हरिद्वार में दर्शन किए और इसके बाद हल्द्वानी से रानीखेत-अल्मोड़ा की ओर रवाना हुए। पन्याली के पास चलती कार से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। चालक ने सभी को बाहर निकलने के लिए कहा। सभी छह पर्यटक कार से कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। इस दौरान कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। कार में आग लगने से रानीखेत-खैरना मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर रानीखेत फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। पुलिस और दमकल विभाग की प्रारंभिक जांच में वाहन के ओवरहीट होने और शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है।



उत्तराखंड घूमने गए थे 6 पर्यटक

करनाल की बंगाली कॉलोनी निवासी प्रवीण कुमार शाह समेत 6 लोग रेनॉल्ट ट्राइबर सीएनजी कार (एचआर 05 बीजे 7012) से उत्तराखंड घूमने आए थे। उन्होंने पहले हरिद्वार में दर्शन किए। इसके बाद हल्द्वानी पहुंचे और वहां से रानीखेत-अल्मोड़ा घूमने के लिए रवाना हुए। शुक्रवार शाम रानीखेत-खैरना मोटर मार्ग पर पन्याली के पास अचानक कार से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया।

वाहनों की आवाजाही रुकी

आग की लपटें उठती देख सभी टूरिस्ट तुरंत कार से बाहर कूद गए। इस दौरान कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने घटना का वीडियो बना लिया। इसमें एक व्यक्ति घबराते हुए कहता सुनाई दे रहा है- जल्दी बचाओ, वरना मर जाएंगे। कार में भीषण आग लगने के कारण रानीखेत-खैरना मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रुक गई। देखते ही देखते हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

करनाल-इंद्री हाइवे पर दौड़ती मर्सिडीज में लगी आग



करनाल। इंद्री स्टेट हाईवे पर बीती रात एक मर्सिडीज कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया और गाड़ी जलकर राख हो गई। कार में रोहतक के रहने वाले 2 युवक सवार थे। आग लगते ही उन्होंने गाड़ी सड़क किनारे रोककर बाहर छलांग लगा दी। दोनों समय रहते बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 12:30 बजे की है। मर्सिडीज करनाल से इंद्री की ओर जा रही थी। कार के आगे एक ट्रक चल रहा था, जिसका पिछला बंपर टूटा हुआ था। कार ड्राइवर ने ट्रक ड्राइवर को इसकी जानकारी देने के लिए उससे आगे निकलने का फैसला किया और कार की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान अचानक कार में आग लग गई।

दोनों युवकों ने समय रहते बाहर निकलकर बचाई जान

आग लगते ही युवकों ने कार सड़क किनारे रोक दी और तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही देर में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। कार से ऊंची लपटें उठने लगीं। फायर ब्रिगेड कर्मी रजनीश ने बताया कि कार में सवार दोनों युवक रोहतक के रहने वाले थे। दोनों सुरक्षित बाहर निकल गए थे। सूचना मिलते ही फायर की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। घटना की सूचना मिलने पर इंद्री पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। फिलहाल कार में आग लगने का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री कल कुरुक्षेत्र को देंगे विकास परियोजनाओं की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र जिले के पिपली और बहलोलपुर में 15 नवंबर को आयोजित दो बड़े जनकल्याणकारी



कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जिले को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शनिवार को पिपली व बहलोलपुर का दौरा कर कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी भी साथ रहे। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि पिपली और बहलोलपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जिले की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा। इनमें सडक, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायती राज, जनस्वास्थ्य और कृषि से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा और जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस दौरान मंच से ही प्रदेश सरकार की प्रमुख नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी देंगे। सरकार का लक्ष्य हर योजना का लाभ योग्य व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बहलोलपुर में आयोजित कार्यक्रम की एक विशेष पहल यह रहेगी कि वहां एक विशाल जॉब मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

छात्रा को अगवा कर दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग का आरोप

करनाल। करनाल की एक निजी कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने कुंजपुरा क्षेत्र के एक युवक पर अपहरण, दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और आभूषण हड़पने सहित गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार छात्रा की कुंजपुरा क्षेत्र की एक युवती से दोस्ती थी और इसी कारण वह उसके घर आती-जाती थी। आरोप है कि युवती का भाई छात्रा का पीछा करता था और कॉलेज जाते समय रास्ता रोककर परेशान करता था। छात्रा के अनुसार युवक ने अपनी बहन के जरिए उसे नशीला पदार्थ खिलाकर आपत्तिजनक तस्वीरें खींचीं और बाद में तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल किया। शिकायत में कहा गया है कि छात्रा को जम्मू के कटरा स्थित एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी तस्वीरें खींची गईं। आरोप है कि तस्वीरें दिखाकर करीब 70 तोले सोने और 250 ग्राम चांदी के आभूषण मंगवाए गए। इनमें हार, चार अंगूठियां, माथे का टीका, नथ, टॉप्स और मंगलसूत्र शामिल बताए गए हैं। शिकायत के आधार पर कुंजपुरा थाना पुलिस ने आरोपी युवक और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच एएसआई पूजा को सौंपी गई है।

धुंध के आगोश में धर्मनगरी, सुबह होते ही छाई स्मॉग की चादर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में शनिवार सुबह लोगों की आंख खुलते ही शहर धुंध की सफेद चादर में लिपटा नजर आया। सड़कों, बाजारों और खुले स्थानों पर दूर तक धुंध छाई रही। मौसम में ठंडक और हवा में बढ़ते प्रदूषण के कारण स्मॉग जैसी स्थिति दिखाई दी। सुबह के समय दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय तापमान में गिरावट, हवा में नमी और वातावरण में प्रदूषण के कणों के जमा होने से धुंध का असर अधिक दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषित वातावरण में सुबह की सैर और खुले में व्यायाम करने से बचना चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। जरूरी होने पर बाहर निकलते समय अच्छी गुणवत्ता वाला



एन-95 मास्क पहनना चाहिए। वहीं वाहन चालकों को कम दृश्यता के दौरान धीमी गति से वाहन चलाने और फॉग लाइट का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। लगातार बढ़ता वायु प्रदूषण धर्मनगरी के लोगों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ लोगों को भी अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

चिरायु आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ा, पांच लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा

पानीपत। हरियाणा सरकार ने चिरायु आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाते हुए 1.80 लाख रुपये



से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी नाममात्र प्रीमियम पर योजना में शामिल होने का अवसर दिया है। उपायुक्त डॉ.हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि पात्र परिवार सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार करवा सकेंगे। पात्रता परिवार पहचान.पत्र में सत्यापित आय के आधार पर तय होगी और आय के अलग.अलग स्लैब के अनुसार प्रीमियम निर्धारित किया गया है। पंजीकरण और भुगतान के लिए पोर्टल 30 नवंबर 2026 तक खुला रहेगा। नई पॉलिसी अवधि 1 नवंबर 2026 से 31 अक्टूबर 2027 तक है। जानकारी के लिए नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जा सकते हैं।

लाला अमीचंद लॉ कॉलेज के छात्रों पर जानलेवा हमले का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव उगाला-जलुबी में स्थित लाला अमीचंद लॉ कॉलेज में पढ़ने वाले स्टूडेंटस के बीच पनपा विवाद ने इतना हिंसक रूप ले लिया। जिससे लॉ के स्टूडेंटस अपनी कानूनी पढ़ाई को भूल बैठे और एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक लविश अत्री गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर से काफी खून बहने लगा। आरोप है कि हमलावरों ने चाकू, कुल्हाड़ी और गंडासी जैसे हथियारों से वार किए। घटना के बाद घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद ले जाया गया, जहां से उसे कुरुक्षेत्र रेफर कर दिया गया। घायल के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और पेट्रोल पंप की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेने की मांग की है। विवेकानंद कॉलोनी निवासी सतीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा लविश अत्री लाला अमीचंद लॉ कॉलेज का विद्यार्थी है। बीती 4 नवंबर 2026 को वह मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाने के लिए पंप पर गया था। शिकायत के अनुसार, इसी दौरान प्रतीक, दिलप्रीत और करमनदीप सहित 10-15 युवकों ने उसे घेर लिया और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में लविश को गंभीर चोटें आईं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पेट्रोल पंप कर्मचारियों की मदद से किसी तरह हमलावरों के चंगुल से बेटे को छुड़ाया गया।

- 10-15 हमलावरों ने युवक पर चाकू-कुल्हाड़ी और गंडासी से किया वार

खेड़ा मंदिर का दान पत्र तोड़कर राशि और अन्य सामान चोरी

- पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 स्थित खेड़ा मंदिर गढ़ी मुंडो के दान पत्र को तोड़कर हजारों रुपए की दानराशि, मंदिर का घंटा व अखंड ज्योत चोरी कर ली गई। चोरी का आरोप गांव गढ़ी मुंडो निवासी राहुल व संजू पर लगा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार पंडित दीपक तिवारी ने हुड्डा सेक्टर 17 पुलिस थाने में थी शिकायत में बताया कि गांव गढ़ी मुंडो में खेड़ा मंदिर बना हुआ है। 11 नवंबर को रात आठ बजे मंदिर से पूजा अर्चना करने के बाद वह घर चला गया था। सुबह जब मंदिर पर पहुंचा तो खेड़ा मंदिर का दान पत्र टूटा मिला। अंदर से पैसे गायब थे। इसके साथ ही मंदिर से पीतल का घंटा व पीतल की अखंड ज्योत गायब मिली। जांच के दौरान उन्हें पता चला कि यह चोरी गांव गढ़ी मुंडो निवासी राहुल व संजू ने चोरी की है। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पराली जलाने के आठ मामले पकड़े, सात किसानों पर केस दर्ज

हवा की गुणवत्ता में नहीं हो रहा सुधार, प्रदूषण का स्तर 250 पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

दिवाली के बाद भी हवा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। प्रदूषण का स्तर एक बार फिर 300 के खतरनाक आंकड़े के करीब पहुंच रहा है। यह बेहद खराब स्थिति में है। इस बीच खेतों में पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

कृषि विभाग ने इस सीजन अब तक जिले में पराली जलाने के 8 मामले पकड़े हैं। इनमें हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र की ओर से भेजी गई 12 लोकेशन में से 5 पर



पराली जलाने की पुष्टि हुई जबकि 3 मामले विभाग की टीम ने अपने स्तर पर पकड़े हैं। कृषि विभाग के क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर डॉ. सूरज भान के अनुसार जिन 5 लोकेशन पर पराली जलाने की पुष्टि हुई, वहां संबंधित किसानों के चालान किए गए हैं। केस भी दर्ज किया गया है। विभाग की टीम ने हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र की लोकेशन के अलावा 3 अन्य मामले भी पकड़े। इन तीनों मामलों में भी चालान और केस दर्ज करवाने की कार्रवाई हो चुकी है। विभाग ने पराली जलाने के सभी 8 मामलों में संबंधित किसानों की रेड एंट्री भी कर दी है। इसका असर किसानों पर अगले दो साल तक रहेगा। रेड एंट्री होने के बाद किसान अपनी फसल सरकारी खरीद केंद्रों पर नहीं बेच सकेंगे। इसके अलावा उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली कृषि सब्सिडी और अनुदान योजनाओं का लाभ भी नहीं मिलेगा। कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर खेतों में लगी आग बुझाने के साथ किसानों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

पराली जलाने पर छह नोडल अधिकारी तैनात

कृषि विभाग के अनुसार, जिले की अलग-अलग तहसीलों में पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें अंबाला वन में 8, अंबाला कैंट में 2, साहा में 2, बराड़ा में 1, नारायणगढ़ में 1 और मुलाना में 1 मामला बताया गया है। विभाग के मुताबिक, पराली जलाने की घटनाओं पर निगरानी के लिए ब्लॉक स्तर पर 6 नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी फील्ड में जाकर हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र से मिली लोकेशन की जांच कर रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारी ने बताया कि पिछले सीजन में भी जिले में पराली जलाने के 8 मामले सामने आए थे। इस बार भी अब तक 8 मामले पकड़े जा चुके हैं। विभाग का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। अधिकारियों की निगरानी में खेतों तक पहुंचकर जांच की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

खबर संक्षेप



छात्रों को रोजगार परक बनाना उद्देश्यः डॉ. गर्ग

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में शनिवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अभिभावकों में विद्यार्थियों के विकास के प्रति सजगता को लेकर किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने पीटीएम का शुभारंभ किया। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने बताया कि पीटीएम में अभिभावकों द्वारा संस्थान के विभागों में छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न आधारभूत एवं नवीन तकनीकों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कॉलेज स्तर इस प्रकार के आयोजनों में अपने सहयोग को आगे भी जारी रखने की बात कही।



शैक्षणिक भ्रमण से होता है सर्वांगीण विकासः दीपमाला

यमुनानगर। स्टार वे सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुर्दी में बाल दिवस के अवसर पर नन्हें मुन्ने बच्चों के लिए पार्क शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने शहर के सिटी सेंटर में शैक्षणिक भ्रमण कर मस्ती की। शैक्षणिक भ्रमण के लिए बच्चों को प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि नर्सरी से कक्षा प्रथम तक के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने शहर के सिटी सेंटर(जिंदल पार्क) में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान वहां लगे झूले झूलकर आनंद उठाया। वहीं, बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यादगार पल बिताए।

मुकंदलाल कॉलेज में 20 को होगा वार्षिक समारोह

रादौर। रादौर के मुकंदलाल नेशनल कॉलेज में 20 नवंबर को सुबह साढ़े 11 बजे वार्षिक समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। मौके पर बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कालेज की प्रिंसीपल डॉ. माला शर्मा ने बताया कि वार्षिक समारोह को लेकर सभी तैयारियां जोरो पर चल रही हैं। कार्यक्रम में मुकंद संस्था के चेयरमैन सेठ अशोक कुमार मुख्यातिथि के तौर पर भाग लेंगे।

जेवरात चुराने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

रादौर। थाना रादौर पुलिस की टीम ने एक मकान से करीब आठ लाख रुपए कीमत के सोने व चांदी के जेवरात व पैसे चोरी करने के आरोप में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी का सामान व पैसे बरामद किए गए हैं। ये। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, एक अन्य मामले में भी एक आरोपी गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि जिला कुरुक्षेत्र निवासी गुरजंट सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह आज शाम छठ पूजा समारोह में लेंगे भाग

मुख्यमंत्री सैनी छठ मैया की पूजा अर्चना कर प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की करेंगे कामना : घनश्याम

- सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने छठ महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के रविवार शाम को छठ पूजा महोत्सव में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया जाएगा। उक्त शब्द सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने छठ पूजा महोत्सव स्थल का निरीक्षण करते हुए कहे। मौके पर उनके साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहे। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि छठ पूजा महोत्सव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को छठ पूजा महोत्सव समारोह में भाग लेंगे और छठी मैया और भगवान सूर्य देव की विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। विधायक घनश्यामदास अरोड़ा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यमुनानगर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री का छठ पूजा समारोह में शामिल होना छठ महापर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष अवसर है। उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह है और समारोह को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, आस्था, परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया की आराधना से जुड़ा यह पर्व श्रद्धा, तपस्या, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।



यमुनानगर। यमुना घाट के नजदीक आयोजित होने वाले छठ पूजा महोत्सव समारोह स्थल का निरीक्षण करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोडा व अन्य।

आवश्यक तैयारियां की सुनिश्चित

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि कार्यक्रम को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। ताकि श्रद्धालु पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ छठ महापर्व मना सकें। इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष निश्चल चौधरी,भाजपा जिला सचिव अभिषेक अरोड़ा, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग,मंडल अध्यक्ष मनोज धीमान,मंडल अध्यक्ष अमन सग्गर,मंडल अध्यक्ष शुभम राणा व मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

छठ पर्व के दूसरे दिन खरना पर श्रद्धालुओं ने बनाया विशेष प्रसाद

- श्रद्धालुओं ने कार्तिक शुक्ल पंचमी के दूसरे दिन दिनभर रखा उपवास
- खरना के मौके पर घर में बनाए गए विशेष प्रसाद से श्रद्धालुओं ने खोला उपवास

हरिभूमि न्यूज ⏭यमनानगर

कार्तिक शुक्ल पंचमी को आस्था के छठ पूजा महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को श्रद्धालुओं ने खरना पर मिट्टी के चुल्हों पर अपने घरों में विशेष प्रसाद बनाया। श्रद्धालुओं ने खरना पर सुबह से लेकर शाम तक उपवास रखा और शाम को घरों पर बनाए गए विशेष प्रसाद से उपवास खोला। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य की उपासना की और अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। रविवार को छठ पूजा महापर्व के दूसरे दिन खरना पर सुबह के वक्त श्रद्धालुओं ने स्नान किया और भगवान भास्कर की पूजा अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने दिन भर निर्जल उपवास रखा।



यमुनानगर। खरना पर मिट्टी के नए चुल्हे पर विशेष प्रसाद बनाते हुए।

प्रसाद किया ग्रहण

शहर के कैंप में रह रहे बिहार निवासी आशीष त्रिपाठी व सुरेश यादव ने बताया कि खरना के दिन श्रद्धालुओं ने निर्जला उपवास के दौरान दिन भर सूर्यास्त से पहले पानी की एक बूंद तक ग्रहण नहीं की। इस दौरान उपवास रख रहे श्रद्धालुओं ने मिट्टी के नए चुल्हों पर विशेष प्रसाद बनाया। शाम के वक्त श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर अपना उपवास खोला। उन्होंने बताया कि खरना के दिन शाम को व्रती भगवान सूर्य का पूजन कर प्रसाद अर्पित किया। इस दौरान व्रतियों ने शाम के वक्त चावल, गुड़ और गन्ने के रस से बनी खीर को ग्रहण किया।

डांस प्रतियोगिता में प्रज्ञा रही प्रथम

- इनरव्हील क्लब ने बाल दिवस पर मुकंदलाल स्कूल में किया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था इनरव्हील क्लब द्वारा बाल दिवस के अवसर पर कस्बा स्थित मुकंदलाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी राजकुमार कांबोज जर्मनी ने रिबन काटकर किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। जिनमें 110 स्कूली बच्चों ने भाग लिया। इनरव्हील क्लब की प्रधान परमजीत कौर व रोटरी क्लब महिला सेल की प्रधान अनीता झांब की देखरेख में आयोजित हुए कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर समां बांधा। वहीं, डांस प्रतियोगिता में प्रज्ञा प्रथम, लवन्या व ईशमिता द्वितीय व गुरसांझ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह मेहंदी प्रतियोगिता में शबाना प्रथम, अर्श द्वितीय व प्रीति तृतीय स्थान पर रही।



यमुनानगर। रादौर में बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के विजेता बच्चों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

बच्चों पर टिका देश के निर्माण का भार : कांबोज

इस अवसर पर मुख्यातिथि राजकुमार कांबोज ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। जिन पर देश के निर्माण का भार टिका हुआ है। हमे बच्चों को देश का अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए। जिससे बच्चे बड़े होकर देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में क्लब की ओर से मुख्यातिथि राजकुमार कांबोज को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

26 को मनाया जाएगा उधम सिंह का जन्मदिन

- सभा के प्रधान लक्ष्मीचंद लक्शीबांस ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

हरियाणा कांबोज सभा के सदस्यों की रादौर स्थित कांबोज धर्मशाला में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा कांबोज सभा के जिला प्रधान लक्ष्मीचंद कांबोज लक्सीबांस व कांबोज सभा के जिला सचिव वेद प्रकाश कांबोज ने संयुक्त रूप से की। बैठक में हरियाणा कांबोज सभा के संगठनात्मक कार्यों के समीक्षा व आगामी कार्यों की योजना बनाई गई। जिला अध्यक्ष लक्ष्मीचंद कांबोज ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 26 दिसंबर को अमर बलिदानी शिरोमणि ऊधम सिंह कांबोज के जन्मदिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम शहीद उधम सिंह कांबोज धर्मशाला रादौर में मनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कांबोज समाज की विभिन्न क्षेत्र में अग्रणी प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। इस दौरान एक विशाल रक्तदान शिविर के साथ प्राकृतिक चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा। जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। बैठक में सामाजिक सदभाव को बढ़ाने व सामाजिक बुराइयों को दूर करने पर भी चर्चा हुई।



यमुनानगर। रादौर की कांबोज धर्मशाला में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए हरियाणा कांबोज सभा के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

अपील की

सभा के प्रधान लक्ष्मीचंद कांबोज ने बताया कि हरियाणा कांबोज सभा द्वारा युवाओं को नशे से दूर रखने व खेलो में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए,सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक वीडियो बनाने वालों पर रोक लगाने के लिए संयुक्त परिवारों की एकता बनाए रखने के लिए ग्राम स्तर पर कमेटियां बनाकर जनजागरण अभियान चलाएगी। इस अवसर पर सभा के जिला मीडिया प्रभारी अमित कांबोज, शिवकुमार संधाला, जय प्रकाश कांजनू,ओम प्रकाश चमरोडी, वागीश दोहली, गजे सिंह नंदपुरा, सुभाष हाफिजपुर, अनुज दोहली, राजेश संधाली, सुरेश बरसान व महेंद्र चमरोड़ी आदि मौजूद रहे।

होली मदर व न्यू हैप्पी स्कूल में मनाया बाल दिवस

- नन्हे मुन्ने बच्चों ने गीतों पर नृत्य कर सभी का मनमोहा

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल व न्यू हैप्पी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चे रंग बिरंगी वेशभुषा में अति मनमोहक लग रहे थे। कक्षा नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने अलग-अलग गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने बाल दिवस के उपलक्ष्य में चित्र बनाएं। स्कूल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष जीएस शर्मा ने सभी बच्चों को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम जितनी बेहतर तरीके से बच्चों की देखभाल करेंगे राष्ट्र का निर्माण भी उतना ही बेहतर होगा। इस अवसर पर होली मदर पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई कला व कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि हर बच्चे में कोई न कोई कला ईश्वर ने अवश्य दी है। हमें उस छिपी कला को निखारने के लिए बच्चे को समय समय पर प्रोत्साहित करना चाहिए।





यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे व न्यू हैप्पी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

समारोह में बच्चों ने बांटी टाफियां

न्यू हैप्पी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर नन्हे.मुन्ने बच्चों ने जहां चाचा नेहरू बनकर बच्चों को टाफियां वितरित की वहीं बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा दिखाई। नर्सरी से केजी तक के बच्चों ने रंग.बिरंगी पोशाकें पहनकर सभी को काफी आनंदित किया। वहीं, केजी कक्षा के बच्चों ने चाचा नेहरू पर कविता सुनाई ।स्कूल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह शर्मा ने सभी बच्चों को बाल दिवस की बधाई दी।

द्वारकापुरी में सड़क निर्माण का शिलान्यास

- नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं देना निगम की प्राथमिकता : बहमनी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

निगम की मेयर सुमन बहमनी ने शहर के वार्ड नंबर एक स्थित द्वारकापुरी कालोनी में 49.05 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल भी मौजूद रहे। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना नगर निगम की प्राथमिकता है। सड़कें और जल निकासी व्यवस्था बेहतर होने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और जलभराव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा करवाया जाए।



यमुनानगर। द्वारकापुरी कालोनी में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए मेयर सुमन बहमनी व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने में मिलेगी मदद

मेयर ने बताया कि अंबाला रोड से सहगल ट्रेडिंग कंपनी तक सड़क को मैस्टिक एस्फाल्ट से मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा सहगल ट्रेडिंग कंपनी से तरुण इलेक्ट्रिकल तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही एनपी टू पाइप लाइन बिछाई जाएगी। जिससे क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ठेकेदार की ओर से 1095 दिन यानी तीन वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटी अवधि भी रहेगी।

छात्रों ने स्वच्छता का लिया संकल्प

- स्वच्छ भारत मिशन की टीम द्वारा राजकीय विद्यालय में किया जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

स्वच्छ भारत मिशन टीम द्वारा बाल दिवस के अवसर पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुरा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान टीम के विशेषज्ञ आकाश कुमार ने विद्यार्थियों को होम कम्पोस्टिंग और चार बिन कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक किया गया। मिशन के विशेषज्ञ आकाश कुमार व गगन बेनीवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि घरों में निकलने वाले गीले कचरे से खाद तैयार कर उसका उचित निस्तारण किया जा सकता है। वहीं, सूखे कचरे में शामिल रिसाइकल होने वाले कागज, प्लास्टिक और धातु को अलग अलग एकत्रित करना चाहिए। ताकि उनका पुनः उपयोग किया जा सके। टीम ने बैनर पोस्टर और विभिन्न रंगों के डस्टबिन का डेमो देकर चार प्रकार के डस्टबिन के महत्व और उनके सही इस्तेमाल की जानकारी दी। विशेषज्ञ आकाश कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि कचरे को स्त्रोत पर ही अलग अलग करना स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने और इसके विकल्प अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अपनाने, कचरे का सही प्रबंधन करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया।



यमुनानगर। राजकीय माध्यमिक विद्यालय गोबिंदपुरा में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में विशेषज्ञों के साथ स्वच्छता अपनाने का संकल्प लेते बच्चे।

तैयारियां श्री कपालमोचन में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

उपायुक्त प्रीति ने की बैठक की अध्यक्षता

श्रीकपालमोचन मेले में पहली बार हो रहे ड्रोन शो बनेगा आकर्षण का केंद्र : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

श्रीकपालमोचन के शुभारंभ पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन की तैयारियों को लेकर लघु सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मेला की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त प्रीति ने की। इस दौरान बैठक में मुख्य रुप से मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण व विशेष अधिकारी भोपाल सिंह खदरी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण शर्मा ने बैठक में सर्वप्रथम मेला कपाल मोचन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन पर होने वाली तैयारियों के बारे अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।



यमुनानगर। लघु सचिवालय में मेला श्रीकपालमोचन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त प्रीति। *फोटो: हरिभूमि*

ड्रोन से दिखेगी मेले की विशेष झलकियां

मेला की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त प्रीति ने मुख्यमंत्री के ओएसडी को आश्वासन दिया कि मेला के आयोजन में किसी भी प्रकार की प्रशासन द्वारा कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार मेले में ड्रोन शो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। मेले में ड्रोन के माध्यम से श्रद्धालुओं को पूरे मेले क्षेत्र की विशेष झलकियां दिखाई जाएंगी। बैठक में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों ने मेला कपाल मोचन अच्छी व शान्तिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए अपने अपने सुझाव भी दिए। इस अवसर पर बैठक में विद्युत नियामक आयोग के सदस्य मुकेश गर्ग,पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, नगर निगम के आयुक्त महाबीर प्रसाद, नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा,जिला परिषद के सीईओ ब्रहम प्रकाश, व्यासपुर के एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, छछरौली के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा व जिला परिषद के चेयरमैन रमेश चंद ठसका आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शनिवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय के प्रांगण में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विकास बने अग्रवाल वैश्य विकास संगठन हरियाणा के प्रदेश महासचिव

पिहोवा। अग्रवाल वैश्य विकास संगठन हरियाणा द्वारा विकास गर्ग को संगठन का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामप्रताप गुप्ता ने उनकी सामाजिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता एवं समाज के प्रति लंबे समय से किए जा रहे समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस संबंध में जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।



राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह कल

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में केयू जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान एवं नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के संयुक्त तत्वावधान में 16 नवंबर, 2026 को केयू सीनेट हॉल में प्रातः 10 बजकर 30 मिनट पर राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय समारोह का विषय ह्यएआई के दौर में पत्रकारिताः चुनौतियों से निपटना और सत्य को बनाए रखनाह्न रहेगा। समारोह में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के बीच पत्रकारिता की विश्वसनीयता व नैतिक मूल्यों को बनाए रखने से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर गंभीर चर्चा की जाएगी।

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया बाल दिवस

जोकर-मिकी माउस की वेशभूषा ने बच्चों का किया खूब मनोरंजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास, उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न मनोरंजक, ज्ञानवर्धक एवं खेलकूद संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एक विशेष प्रार्थना सभा के साथ हुआ। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती प्रीति मिश्रा ने विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, बच्चों के प्रति उनके स्नेह तथा बाल दिवस मनाए जाने के उद्देश्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण तथ्यों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया।नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए इस दिन को और भी खास बनाने हेतु कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक की अध्यापिकाओं ने जोकर एवं मिकी माउस की आकर्षक वेशभूषा धारण कर उनका मनोरंजन किया। रंग-बिरंगे परिधानों, मजेदार हाव-भाव, हास्यपूर्ण गतिविधियों, चुटकुलों, नृत्य एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। कक्षा प्रथम से तृतीय तक के विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक कार्टून फिल्म दिखाई गई। वहीं कक्षा चतुर्थ से अष्टम तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न फन गेम्स एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासक श्री विकास गाबा, को ऑर्डिनेटर रितु चौधरी, अध्यापिका नैंसी, अन्नू, रजनी, सीमा, परमज्योति, पंकज, योगिता, मंजीत, पायल, मोनिकासुमन, कल्पना, भारती, आशा, रिहाना, पूनम, अंजलि, मोनिका वर्मा, कोमल, स्मृति, स्वाति, रेनू, रीमा, मधु शर्मा आदि मौजूद रहे।,



कुरुक्षेत्र। नवयुग स्कूल में बाल दिवस मनाते बच्चे।



लाडवा। किडजी स्कूल में बाल दिवस मनाते नन्हे मुन्नें।

सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया बाल दिवस, खेलों में बच्चों ने दिखाया उत्साह

कुरुक्षेत्र। मोहन नगर स्थित सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल में बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय परिसर बच्चों की हंसी और उमंग से गूंज उठा। बाल दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह के कारण बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषणों के माध्यम से पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, विचारों और बाल प्रेम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



किड्जी स्कूल और रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल में मनाया बाल दिवस

लाडवा। किड्जी व रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल लाडवा में बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल दिवस के मौके पर बच्चों को खूब सारी मनोरंजक गेम्स एवं मजेदार गतिविधियां करवाई गईं। ।सभी बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ गेम्स में भाग लिया और खूब मस्ती की। बच्चों ने इस दिन का भरपूर आनंद लिया और बाल दिवस को यादगार बनाया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या विम्मी तनेजा मैम ने बच्चों को बताया कि बाल दिवस हर वर्ष 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के अवसर पर मनाया जाता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से बहुत प्रेम करते थे और बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने पिपली अनाज मंडी का किया दौरा

किसान रेस्ट हाउस बनाने की मांग पर जताई सहमति



कुरुक्षेत्र। पिपली अनाज मंडी में दौरे के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को पिपली अनाज मंडी का दौरा किया। इस दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मंडी में धान की खरीद कार्यों की जानकारी ली। इससे पूर्व मार्केट कमेटी कार्यालय में पहुंचने पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का मार्केट कमेटी पिपली के चेयरमैन सतीश कुमार जिला अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन के जिला महासचिव धर्मपाल मथाना, पिपली मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन अमीरचंद पिपली मार्केट कमेटी के सचिव गुरमीत सैनी ने व अन्य भाजपा नेताओं ने कृषि मंत्री का गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया । कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मंडी में धान की खरीद कार्यों खरीद व उठान में अव्वल रहने पर पिपली मार्केट कमेटी के सचिव गुरमीत सैनी व पिपली अनाज मंडी के आढ़तियों और मंडी एसोसिएशन को बधाई दी। कृषि मंत्री ने मार्केट कमेटी के सचिव गुरमीत सनी से धान की खरीद कार्यों की जानकारी ली। गुरमीत सैनी ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को बताया कि धान की खरीद के दौरान किसान, आढ़ती व व्यापारियों को कोई दिक्कत नहीं आने दी गई। मंडी में समय पर धान की खरीद का कार्य किया गया। वहीं मंडी में उठान का कार्य भी नियमित रूप से किया गया। उन्होंने कृषि मंत्री को बताया कि किसानों को धान की खरीद का भुगतान भी सरकार की हिदायतों के अनुसार 72 घंटे के अंदर किया गया। जिस पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने खरीद कार्यों में सहयोग करने के लिए आढ़तियों खरीद एजेंसियों और मार्केट कमेटी के अधिकारियों की पीठ थपथपाई । विशेष तौर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मार्केट कमेटी के सचिव गुरमीत सैनी व चैयरमेन सतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में पिपली मंडी ने खरीद व उठान में पहला स्थान पाकर मंडी का नाम आगे बढ़ाने का काम किया है। इस दौरान आढती व किसानों ने कृषि मंत्री के समक्ष किसान रेस्ट हाउस बनाने की मांग रखी। जिस पर कृषि मंत्री ने सहमति जताते हुए कहा उनकी इस मांग पर भी विचार करते हुए इसे अवश्य पूरा किया जाएगा।

विद्यार्थियों ने खेल भावना का दिया परिचय

- सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 30वां वार्षिक खेल दिवस धूमधाम से संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 30वां वार्षिक खेल दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस भव्य समारोह में नगर पालिका प्रधान गुलशन क्वात्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा गुलशन क्वात्रा और स्कूल के प्राचार्य डा आरएस घुम्मन ने दीप प्रज्वलित करके किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट के माध्यम से अनुशासन, एकता और खेल भावना का परिचय दिया। समारोह में विद्यार्थियों को खेल भावना, अनुशासन एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि नगर पालिका प्रधान गुलशन क्वात्रा ने विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का अभिन्न अंग हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति विकसित होती है। इस अवसर पर स्कूल प्रधान संतोष कौर घुम्मन, उपप्रधान पूर्ण चंद शर्मा, मनिंदर सिंह घुम्मन, मोनिका घुम्मन, डा एस. एस. आहुजा, एस. सी. सिंगला, एस. एस. खुराना, प्रवीण ठकराल आदि मौजूद रहे।



पीएम आवास योजना के तहत 23 परिवारों को ग्रांट राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

नगरपालिका शाहाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 23 पात्र लाभार्थियों को मकान बनाने के लिए एलओआई वितरित किये गये। हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन सुभाष कलसाना और नगरपालिका प्रधान डॉ. गुलशन क्वात्रा ने पात्र लोगों को ग्रांट राशि से सम्बंधित एलओआई वितरित किये । इस दौरान पार्षद नीरज मट्टू और पार्षद अमृत लाल विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर चेयरमैन सुभाष कलसाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपना पक्का मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मकान केवल चार दीवारों का नाम नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार होता है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है।नगरपालिका प्रधान डा गुलशन क्वात्रा ने कहा कि नगरपालिका का प्रयास है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।



अपने घर का सपना साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 23 लाभार्थियों को ग्रांट राशि देना जरूरतमंद परिवारों को अपने घर का सपना साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका प्रशासन पात्र लोगों की पहचान से लेकर योजना का लाभ दिलवाने तक पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। इस मौके पर ब्लॉक समिति प्रधान तरसेम सिंह, पार्षद नीरज मट्टू, पार्षद अमृत लाल, अधिवक्ता मनदीप रावा, पूर्व पार्षद बलदेव राज सेठी और सुरेंद्र बत्तरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

48 कोस कुरुक्षेत्र के तीर्थों का ज्ञान अर्जित कर रहे भावी पर्यटक गाइड

- पांच दिवसीय तीर्थ अध्ययन यात्रा शुरू, पहले दिन कुरुक्षेत्र के प्रमुख तीर्थों पर पहुंचे प्रशिक्षु गाइड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से भावी पर्यटक गाइडों को परिचित करवाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा आयोजित 48 कोस कुरुक्षेत्र तीर्थ भ्रमण एवं अध्ययन यात्रा का शनिवार को शुभारंभ हुआ। इस पांच दिवसीय शैक्षणिक एवं प्रायोगिक भ्रमण यात्रा के प्रथम दिन प्रशिक्षु पर्यटक गाइडों ने जिला कुरुक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रमुख तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया। इस यात्रा का शुभारंभ श्रीकृष्ण संग्रहालय, कुरुक्षेत्र से हुआ। इस प्रायोगिक भ्रमण के दौरान पुरातत्वविद् डॉ. मनोज कुमार प्रशिक्षुओं के साथ रहकर विभिन्न तीर्थ स्थलों की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर रहे हैं। भ्रमण के प्रथम दिन प्रशिक्षुओं ने कुरुक्षेत्र जिले के बीड़ पिपली स्थित रंतुक यक्ष तीर्थ, अभिमन्युपुर स्थित अदिति तीर्थ, दयालपुर स्थित बाणगंगा, कमोदा स्थित काम्यक तीर्थ, भौर सैयदां स्थित भूरिश्रवा तीर्थ तथा सारसा स्थित शालिहोत्र तीर्थ का भ्रमण किया। इसके अतिरिक्त अरनाय स्थित अरुणाय तीर्थ, थाणा स्थित ब्रह्म तीर्थ का भी अवलोकन किया।



प्रतियोगिता में अजीत सिंह हाउस ने मारी बाजी



पिहोवा। गुरु नानक देव एकेडमी में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन उत्साह एवं धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया। खेल मैदान में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर वरिष्ठ नेता सरदार बूटा सिंह लुक्खी, कुलवंत सिंह वडेच और डा. वरयाम सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। एकेडमी प्रबंधन की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। स्पोर्ट्स मीट की जानकारी देते हुए कोडीनेटर सुखविंदर कौर व सुमन शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बाबा अजीत सिंह हाउस ने बाजी मार प्रथम स्थान हासिल किया। इसके साथ बाबा फतेह सिंह हाउस ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वही बाबा जोरावर सिंह हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में 300 मीटर व 400 मीटर रेस, लेमन एवं स्पून रेस,मटकी रेस, साइकिल रेस एवं रस्सा कसी आदि शामिल थी। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य राजेंद्र कौर, शिक्षक कृष्ण गोपाल, मनिंदर कौर, नवनीत आदि मौजूद रहे।

जनसंपर्क अभियान को गति देने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता पार्टी के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा डीडी के निवास स्थान पर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठन को मजबूत बनाने सहित पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने जय भगवान शर्मा डीडी के नेतृत्व में पिहोवा विधानसभा क्षेत्र में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ को और अधिक गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे मजबूत कड़ी है। जनता तक सही जानकारी पहुंचाना और उन्हें किसी भी प्रकार के भ्रम से बचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने कार्यकताऱ्ओं से मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर जय भगवान शर्मा डीडी ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना को आश्वस्त किया कि पार्टी संगठन की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, उसे पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान कार्यकताऱ्ओं ने डॉ. अर्चना गुप्ता का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। जय भगवान शर्मा डीडी ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में कार्यकताऱ्ओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

- डॉ. अर्चना गुप्ता ने जय भगवान शर्मा डीडी के निवास पर कार्यकर्ताओं से की मुलाकात



सरस्वती तीर्थ पर छठ महापर्व की तैयारियां पूर्ण



पिहोवा। धर्मनगरी पिहोवा के ऐतिहासिक सरस्वती तीर्थ पर मनाए जाने वाले छट महापर्व को लेकर प्रशासन एवं छठ पूजा सेवा समिति की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरस्वती सरोवर के चारों ओर साफ-सफाई करवाई गई है तथा व्रतधारी महिलाओं एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था की गई है। जानकारी देते हुए छट पूजा सेवा समिति के अग्रणी सेवादार एवं गांव धनीरामपुरा के सरपंच विकल कुमार चौबे ने बताया कि आज सरस्वती तीर्थ पर चारों तरफ सफाई करवाई गई छठ पूजा को लेकर चारों तरफ साफ सफाई नगर पालिका द्वारा करवाई गई। इस मौके पर सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के सदस्य रामधारी शर्मा, पूर्व पार्षद लकी शर्मा, पंकज शर्मा, रोहित शर्मा एवं पूर्वांचल छठ सेवा समिति के सदस्य राम पुकार यादव, मुकेश ठेकेदार, अशोक यादव, आनंद कुमार, विश्वेश्वर यादव, रमन झा, सुरेश, उदय यादव समेत छठ सेवा समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे। सभी ने सफाई व्यवस्था एवं सरस्वती घाट का निरीक्षण किया।सरपंच विकल कुमार चौबे ने बताया कि छठ महापर्व को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पिहोवा प्रशासन द्वारा भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सरस्वती सरोवर के आसपास सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सरोवर के चारों तरफ स्वच्छता बनाए रखने के साथ स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया गया है, ताकि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना कर सकें।

धर्म-कर्म गुड़ और दूध से बनी खीर का लगाया भोग, छठ मैया के आगमन की है मान्यता

छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धा के साथ हुई खरना पूजा, 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू

पूजा और प्रसाद तैयार करने में शुद्धता व पवित्रता का रखा जाता है ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

छठ महापर्व के चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन शनिवार को पूर्वांचल समाज के लोगों ने श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ खरना पूजा की। इस अवसर पर व्रती महिलाओं ने दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को विधि-विधान से छठी मैया और देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की तथा गुड़, दूध और चावल से बनी खीर का भोग लगाया। इसके साथ ही 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत की शुरूआत हुई।

संतान की सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है व्रत

पूर्वांचल समाज महासभा हरियाणा के प्रधान संतोष पासवान ने बताया कि नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरूआत होती है और दूसरे दिन खरना पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार खरना के दिन छठी मैया का घर में आगमन होता है। इस दिन का व्रत करने वाली महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि छठ पूजा का 36 घंटे का निर्जला व्रत संतान की सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना के लिए रखा जाता है। खरना के दिन पूजा और प्रसाद तैयार करने में शुद्धता व पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। परंपरा के अनुसार प्रसाद नए मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ियों से तैयार किया जाता है। खरना के प्रसाद में गुड़, दूध और चावल से बनी खीर के अलावा पूरी और ठेकुआ भी शामिल होते हैं। पूजा के बाद व्रती महिलाएं प्रसाद ग्रहण करती हैं और इसके पश्चात निर्जला व्रत शुरू करती हैं। प्रसाद बनाते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है तथा सात्विक सामग्री का ही इस्तेमाल किया जाता है।



आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे व्रती

थानेसर। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर पर चार दिवसीय छठ महापर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना पूजन विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। व्रतियों ने दिनभर उपवास रखने के बाद संध्या के समय छठी मैया और भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना की तथा गुड़ की खीर, रोटी एवं पारंपरिक प्रसाद ग्रहण किया। खरना पूजन के साथ ही व्रतियों ने आगामी 36 घंटे के निर्जला व्रत का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक वेदाचार्य अनिल शास्त्री जी महाराज के संरक्षण में ब्रह्मसरोवर पर छठ महापर्व को लेकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां उत्साहपूर्वक की जा रही हैं। छठ महापर्व के तीसरे दिन 15 नवंबर को व्रती अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इस अवसर पर ब्रह्मसरोवर के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।



खबर संक्षेप

सरकारी स्कूल से एलईडी चोरी

बराड़ा। बीते दिनों चोरों ने गांव कंबास स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने सेंध लगाकर 55 इंच की सैमसंग एलईडी चोरी कर ली। स्कूल में अन्य सामान और जरूरी रिकॉर्ड से संबंधित दस्तावेज भी चोरी होने की आशंका जताई गई है। स्कूल के मुख्य शिक्षक की शिकायत पर बराड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कंबास के मुख्य शिक्षक रविंद्र कुमार ने 10 नवंबर को थाना बराड़ा में शिकायत दी। शिकायत में बताया कि दिवाली के त्योहार के दौरान स्कूल में चोरी की वारदात हुई।

चोरी के आरोपित से मोटसाइकिल बरामद

मुलाना। थाना मुलाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप कुमार निवासी गांव डेरा बाबा उकमीनाथ, कस्बा कोटकपूरा, पंजाब के रूप में हुई है। मामले के जांच अधिकारी उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता राजबीर सिंह निवासी गांव डूलियाना, थाना मुलाना, जिला अम्बाला ने दिनांक 13 नवंबर 2026 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 नवंबर 2026 को गांव डूलियाना से उसकी बाइक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई।

गलत कमेंट करने से रोका तो बोला हमला

शहजादपुर। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर गलत कमेंट करने से मना करने की रंजिश में युवक पर डंडे से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। यह घटना क्षेत्र के गांव पतरेहड़ी की है। पीड़ित की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर शहजादपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव पतरेहड़ी निवासी संदीप कुमार ने बताया कि सुबह गांव के ही रहने वाले राहुल उर्फ राहुल चौहान ने उनकी फेसबुक पोस्ट पर गलत कमेंट किया था। जब संदीप ने फोन कर राहुल को ऐसा करने से मना किया, तो आरोपी भड़क गया।

गांव सौंटी की चौपाल से पूर्व मंत्री ने बोला भाजपा पर तीखा हमला

जनता के वोट पर पहरा देगी कांग्रेस, भाजपा को देना होगा हर सवाल का जवाब : निर्मल

बोले: सत्ता का अहंकार मतदाता के अधिकारों से बड़ा नहीं होता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला



अंबाला। गांव सौंटी में ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक निर्मल सिंह।

भाजपा सरकार की चुनावी कार्यप्रणाली और मतदाता सूचियों को लेकर कांग्रेस ने अब गांवों में राजनीतिक मोर्चा खोल दिया है। बीते दिवस गांव सौंटी में आयोजित वोट बचाओ, देश बचाओ चौपाल में अंबाला शहर के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी निर्मल सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र जनता के वोट से चलता है, किसी सरकार की मर्जी से नहीं। मतदाता सूचियों से पात्र लोगों के नाम कटने और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, तो सरकार जवाब देने से क्यों बच रही है? उन्होंने दो टूक कहा कि जनता के वोट की ताकत कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस इस मुद्दे को गांव-गांव और चौपाल-चौपाल तक पहुंचाकर सत्ता से जवाब मांगेगी। निर्मल सिंह ने कहा कि भाजपा को यह समझना होगा कि चुनाव केवल सत्ता हासिल करने का जरिया नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की कसौटी हैं। जब मताधिकार की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं और सत्ता उन सवालों से मुंह मोड़ लेती है, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। सत्ता का अहंकार मतदाता के अधिकारों से बड़ा नहीं हो सकता। कांग्रेस वर्ष 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूचियों से पात्र लोगों के नाम हटने जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं के साथ-साथ मताधिकार की सुरक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। लोकतंत्र केवल चुनाव करवाने से मजबूत नहीं होता, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने से मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाता सूचियों का सत्यापन करवाने और किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने पर आवाज उठाने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। कांग्रेस जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाती रहेगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जसबीर मलौर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दुष्यंत चौहान, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष राकेश मेहला, शहरी ब्लॉक अध्यक्ष विनोद धीमान, रोहित शर्मा विशु और प्रतीक चौधरी सहित अन्य नेताओं ने भी विचार रखे। इस अवसर पर जिला यूथ कांग्रेस प्रधान हरमन हैरी, दलबीर सिंह सरपंच, राम कुमार पूर्व सरपंच, राजा दानीपुर, शंटी शेखूपुर, कमल बाछल, शिंगारा सिंह, अजायब सिंह सरपंच सौंटी, सुखदेव सिंह, जगत राम मेहला, रणधीर सिंह, गुरजंट सिंह सोंटा, इकबाल सिंह, गुरमेल सिंह, विशाल, नछतर सिंह, मलकीत सिंह, सुशील और सुरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भाजपा की वोट चोरी के आरोपों को गांव-गांव पहुंचाएगी कांग्रेस



साहा। भाजपा सरकार की कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने अब गांवों में मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की ओर से साहा ब्लॉक के गांव रामपुर में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुलाना विधायक पूजा ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र और हरियाणा में भाजपा की सत्ता वोट चोरी के सहारे बनी है। कांग्रेस इस मुद्दे को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाकर जनता के सामने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवाल उठाएगी। विधायक पूजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मतदान के दिन करीब 61 प्रतिशत मतदान बताया गया, लेकिन परिणाम के दिन यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 67 प्रतिशत कैसे हो गया? मतदान प्रतिशत में अचानक हुई इस बढ़ोतरी का जवाब भाजपा सरकार को देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि आखिर मतदान और परिणाम के आंकड़ों में इतना अंतर कैसे आया? यह चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। यदि मताधिकार की निष्पक्षता पर ही सवाल उठने लगें तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होती है। भाजपा सरकार पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, बल्कि जनता के बीच जाकर इन सवालों को मजबूती से उठाएगी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक रवि जोशी, हरियाणा कांग्रेस कमेटी के जिला प्रभारी दिव्यांशु बुद्धिराजा, जिला अध्यक्ष दुष्यंत चौहान और अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

एआईसीसी पर्यवेक्षक एवं पूर्व विधायक रवि जोशी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने की मुहिम है। चौपालों के माध्यम से लोगों को अपने वोट का महत्व समझाया जा रहा है।



अंबाला। पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

- प्रदर्शनकारियों ने डीसी के जरिए सीएम को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न विभागों के कर्मचारी और अधिकारी ऊर्जा भवन में एकत्रित हुए। यहां से कर्मचारियों ने ओपीएस संकल्प मार्च निकालकर पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला पदाधिकारियों ने कहा कि हरियाणा में वर्ष 2006 में पुरानी पेंशन व्यवस्था बंद कर नई पेंशन योजना लागू की गई थी। इसके बाद से कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि एनपीएस बाजार आधारित योजना है, जिसमें कर्मचारियों को मिलने वाले पेंशन लाभ की कोई निश्चित गारंटी नहीं है। सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करने के बजाय यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू कर दी। कर्मचारियों का आरोप है कि यूपीएस को लागू करने से पहले उनके साथ कोई चर्चा नहीं की गई और न ही योजना की खामियों पर विचार किया गया। समिति के उपाध्यक्ष ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारी लंबे समय से धरने, प्रदर्शन, रैलियां और मुख्यमंत्री आवास के घेराव तक कर चुके हैं। दिल्ली में भी कई बड़ी रैलियां की गईं।

युवाओं को भी लाभ

इसके साथ दो दौर की बातचीत भी हुई, लेकिन इसके बाद वार्ता का सिलसिला बंद कर दिया गया। समिति ने सरकार को कई बार पत्र लिखकर बातचीत दोबारा शुरू करने की मांग की है। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि वे एनपीएस और ओपीएस के मुद्दे पर मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या सरकार के किसी भी वरिष्ठ अधिकारी के साथ खुले मंच पर चर्चा करने को तैयार हैं। दावा है कि एनपीएस और यूपीएस से कर्मचारियों के साथ सरकारी खजाने को भी नुकसान हो रहा है। पुरानी पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों के साथ सरकार के लिए भी फायदेमंद है। कहा कि ओपीएस बहाल होने से केवल मौजूदा कर्मचारियों को ही नहीं, बल्कि भविष्य में सरकारी नौकरी पाने वाले युवाओं को भी लाभ मिलेगा।



नशे के खिलाफ किया जागरूक

अंबाला: जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बाला के मार्गदर्शन और माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव गीतांजलि गोयल के पर्यवेक्षण में, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार एस.ए. जैन सीनियर मॉडल स्कूल, अम्बाला शहर में विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर का आयोजन पैरा लीगल वॉलंटियर अरविंद जैन द्वारा किया गया। शिविर में बच्चों को बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

राशन डिपो के लिए अब 25 नवंबर तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

- प्रदेश में 2,651 खाली उचित मूल्य की दुकानों के लिए होंगे लाइसेंस जारी, महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

हरियाणा में अपना रोजगार शुरू करने की इच्छा रखने वाले युवाओं और महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश सरकार ने 2,651 रिक्त राशन डिपो के लाइसेंस जारी करने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 नवंबर से बढ़ाकर 25 नवंबर 2026 कर दी है। ऐसे में जो पात्र आवेदक निर्धारित समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे, उन्हें एक और मौका मिल गया है। इस योजना में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा, जिससे महिला सशक्तिकरण के साथ स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हरियाणा के अनुसार मुख्यमंत्री ने 10 अक्टूबर 2026 को ऑनलाइन आवेदन पोर्टल का शुभारंभ किया था। योजना का उद्देश्य उन क्षेत्रों के गरीब और पात्र परिवारों तक राशन की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

800 मीटर दौड़ में शुभम प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

सीआर किसान हाई स्कूल बडौदा में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। प्रतियोगिताओं में स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिताओं में खो-खो में अमर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। लड़कियों की कबड्डी प्रतियोगिता (कक्षा 9वीं से 12वीं) में तमन्ना की टीम विजेता रही। 800 मीटर दौड़ में शुभम ने प्रथम और अभिषेक ने द्वितीय स्थान हासिल किया। मटका दौड़ में वर्षा ने प्रथम तथा तमन्ना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बोरी दौड़ में आर्यन और मनप्रीत की जोड़ी प्रथम रही। वहीं, कक्षा 7वीं से 12वीं तक की रस्साकशी प्रतियोगिता में अंकिता की टीम तथा कक्षा 4वीं से 6वीं तक की प्रतियोगिता में करुणा की टीम विजेता रही। प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में कुलबीर, संजय ने कोच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं अध्यापिकाओं रीतू, पूनम, बिमला, रीना, रेनू और प्रीती ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। प्रिंसिपल राजकुमार ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्कूल डायरेक्टर राजेश कुमार ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेलकूद भी बेहद जरूरी हैं।



उचाना। प्रतियोगिता में जीत के लिए दमखम लगाते खिलाड़ी।

कॉस्मेस्टिक मार्केट में निरंतर चोरियों से व्यापारी परेशान

- व्यापारियों का आरोप-चोर रोज ताले तोड़कर वारदातों को दे रहे अंजाम, कारोबारियों को हो रहा भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर की कॉस्मेटिक मार्केट में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से व्यापारियों में भारी रोष है। बेखौफ चोरों के बढ़ते हौसलों को देखते हुए जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के प्रधान लक्की जुनेजा तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी राम रतन ने संयुक्त रूप से पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की गुहार लगाई है। व्यापारियों ने स्पष्ट शब्दों में मांग की है कि बाजार क्षेत्र में रात्रि पुलिस गश्त को अनिवार्य और सख्त किया जाए।

संवेदनशील व्यवसायिक क्षेत्र

बाजार में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद चोरों के मन में पुलिस का कोई खौफ नजर नहीं आ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर जनरल मर्चेंट के प्रधान लक्की जुनेजा और भाजपा समाजसेवी राम रतन ने एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र की जमीनी हकीकत से अवगत कराया।

रेस्टोरेंट में खाना परोसने को लेकर झगड़ा, मालिक पर हमले का आरोप

- नौकर पर लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप, ग्राहकों का आरोप-मालिक ने बदतमीजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

शहर के विकास विहार स्थित एक रेस्टोरेंट मालिक और ग्राहकों के बीच जमकर मारपीट हुई। हंगामा बढ़ने पर रेस्टोरेंट कर्मचारी अंदर से लोहे की रॉड निकाल लाए और एक युवक पर कई वार किए। हमले में 2 ग्राहक घायल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें रेस्टोरेंट मालिक की पत्नी दोनों पक्षों को छुड़ाने का प्रयास करती नजर आ रही है। कुछ लोग 2 युवकों को सड़क पर गिराकर लात-घूंसे बरसाते दिख रहे हैं। दरअसल, ये पूरा मामला रेस्टोरेंट में खाने को परोसने को लेकर हुआ। युवकों ने खाना ऑर्डर किया, जिसके बाद स्टॉफ ने उन्हें खुद खाना ले जाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत दी गई है। दरअसल विकास विहार स्थित गबरू ग्रिल रेस्टोरेंट में वरुण 11 नवंबर की रात खाना खाने गए थे। वरुण के अनुसार आते ही उन्होंने खाने का ऑर्डर दिया।





बाल दिवस पर बच्चों को बांटी मिठाइयां

अंबाला। बाल दिवस के अवसर पर डिप्टी सिविल सर्जन स्कूल हेल्थ अंबाला डॉ. बलजिंदर के मार्गदर्शन मे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की मोबाइल हेल्थ टीम 1ए द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। बाल दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की मोबाईल हेल्थ टीम ने गांव सकराओं के नजदीक ईंट भठों पर रहने वाले छोटे-छोटे बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया और उन्हें उपहार के रूप में फल एवं मिठाईयां भी वितरित की। इसी प्रकार गांव सुलर में आंगनवाडी केन्द्र में भी कार्यक्रम का आयोजन करके बच्चों केसाथ बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के तहत गांव लिहारसा में शुगर से पीड़ित एक बच्ची को बाल दिवस के अवसर पर टीम के डॉक्टर तमन्ना शर्मा द्वारा मुफ्त राशन वितरित किया गया। इस प्रकार इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का सराहनीय प्रयास किया गया।

नवोदय स्कूल की प्रवेश परीक्षा 28 नवम्बर को

अंबाला। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार लिमल ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2027 कक्षा 6 में प्रवेश हेतू 28 नवम्बर को जिले के सात परीक्षा केन्द्रों में प्रातः 11.30 से दोपहर बाद 1.30 तक आयोजित होगी। बताया कि जिन ने आवेदन किया है उनके प्रवेश पत्र सीबीएससी द्वारा जारी कर दिए गए हैं। उक्त परीक्षा हेतू अभ्यार्थी अपने प्रवेश पत्र से डाउनलोड कर सकते हैं। बताया कि यदि किसी अभ्यार्थी को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में किसी प्रकार की समस्या आ रही है तो वे 27 नवम्बर तक कार्यालय समय में जवाहर नवोदय विद्यालय कौलां अम्बाला में सम्पर्ककर सकते हैं।

बच्चों ने किया कल्पनाशीलता व रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन

जींद। बाल दिवस के अवसर पर जिले के प्राथमिक विद्यालयों में निपुण मिशन के तहत उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालयों में बच्चों के लिए खेलकूद, रचनात्मक कार्य, कला, चित्रकला, कहानी सुनाना, कविता पाठ, अभिनय, समूह गतिविधियां और मनोरंजक शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा, कल्पनाशीलता तथा रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। बाल दिवस का आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नही रहा बल्कि इसके माध्यम से बच्चों के भाषा विकास, लेखन कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संयात्मक ज्ञान को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

रिश्तेदार बन ठगी करने वाला दिल्ली से गिरफ्तार, जेल भेजा

अंबाला। थाना साइबर क्राइम अम्बाला पुलिस ने रिश्तेदार बनकर फर्जी कॉल के माध्यम से 2 लाख 29 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में आरोपी रोहन कुमार निवासी जहांगीरपुरी, दिल्ली को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में शिकायतकर्ता कमलजीत निवासी शाहपुर ने दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को थाना साइबर क्राइम अम्बाला में शिकायत दर्ज करवाई थी कि दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को एक व्यक्ति ने रिश्तेदार बनकर उसे फर्जी कॉल की। आरोपी ने शिकायतकर्ता को बताया कि वह उसके खाते में 9 लाख 30 हजार रुपये भेज रहा है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन आधुनिक सोच का प्रतीक

कांग्रेसियों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

आधुनिक भारत के निर्माण में पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान को याद करते कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनकी जयंती पर भाजपा की मौजूदा राजनीति के बीच देश के विकास की बुनियाद रखने वाले उनके कार्यों को याद किया। शनिवार को कांग्रेस कार्यालय बराड़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुलाना विधायक पूजा ने कहा कि नेहरू ने आजादी के बाद देश को विकास की नई दिशा दी और बड़े उद्योगों, बांधों, शैक्षणिक संस्थानों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों की नींव रखकर आधुनिक भारत के निर्माण का रास्ता तैयार किया। उनके दूरदर्शी फैसलों का लाभ आज भी देश को मिल रहा है। विधायक पूजा ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन देशसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक सोच का प्रतीक है। स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए। आईआईटी, एम्स और वैज्ञानिक संस्थानों को प्रोत्साहन देकर उन्होंने शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत की मजबूत नींव तैयार की।



बराड़ा। कार्यक्रम में कांग्रेसी स्व : पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि नेहरू का मानना था कि किसी भी देश का भविष्य उसके बच्चों और युवाओं में बसता है। बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह के कारण ही उन्हें चाचा नेहरू के नाम से जाना जाता है। उनके विचार और आदर्श आज भी नई पीढ़ी को देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। विधायक पूजा ने कहा कि नेहरू के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश की एकता, अखंडता, आपसी भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दुष्यंत चौहान, बराड़ा ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, साहा ब्लॉक अध्यक्ष रवि अरोड़ा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 15 नवंबर 2026

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी

एक जरूरी पड़ताल

आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।



कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।



देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

नवीन जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन

ड्राइवर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था, 'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा, 'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली



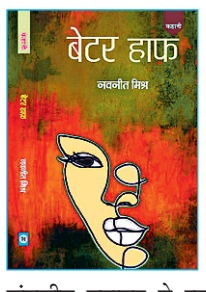
कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां

वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने



का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तकः बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखकः नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए,
प्रकाशकः भावना प्रकाशन, दिल्ली

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए!

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।



क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

आज से शुरू हो रहे नवंबर के दूसरे पखवाड़े में देश के अलग-अलग हिस्सों में बदलते मौसम के रंगों के साथ सांस्कृतिक छटा बिखेरते कई उत्सवों का आयोजन होगा। इनमें कहीं पहाड़ों पर चेरी के गुलाबी फूलों की मुस्कान दिखेगी, कहीं जनजातीय समुदाय नई फसल की खुशियां मनाते नजर आएंगे। ऐसे ही कुछ मनमोहक रंग-बिरंगे उत्सवों पर एक नजर।

पर्व-परंपरा
शिखर चंद जैन

संस्कृति के संग-मौसम के रंग
मनमोहक उत्सवों की छटा



राष्ट्रपति ट्रॉफी नौका दौड़ केरल

केरल की अष्टमुडी झील में आयोजित होने वाली यह नौका दौड़ पानी पर सामूहिक शक्ति, गति और तालमेल का अद्भुत प्रदर्शन है। लंबी, पतली और सांप जैसी दिखाई देने वाली पारंपरिक नौकाओं में दर्जनों नाविक एक साथ चप्पू चलाते हैं। उनके सामूहिक गीत और चप्पुओं की एक साथ पड़ती चोट दर्शकों में रोमांच भर देती है। वर्ष 2011 में शुरू हुई इस प्रतियोगिता को राष्ट्रपति ट्रॉफी का नाम तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की उपस्थिति के बाद मिला। यह केरल की प्राचीन नौका संस्कृति को आधुनिक खेल और पर्यटन से जोड़ने वाला आयोजन है। इस वर्ष 21 नवंबर को कोल्लम की अष्टमुडी झील में इसका आयोजन निर्धारित है। *

चेरी ब्लॉसम महोत्सव मेघालय



मेघालय राज्य की राजधानी शिलांग की पहाड़ियों पर जब हिमालयी जंगली चेरी के पेड़ों पर गुलाबी और सफेद फूल खिलते हैं, तब ऐसा लगता है जैसे प्रकृति ने धरती पर गुलाबी कालीन बिछा दी हो। इसी प्राकृतिक खूबसूरती को उत्सव का रूप देने के लिए मेघालय में चेरी ब्लॉसम महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस बार इसका आयोजन 20-21 नवंबर को होगा। वर्ष 2016 में शुरू हुए इस महोत्सव ने प्रकृति के सौंदर्य को सांस्कृतिक आयोजन का रूप दिया है। समय के साथ इसमें संगीत, स्थानीय खान-पान, कला, हस्तशिल्प, फैशन और मनोरंजन की अनेक गतिविधियां जुड़ गई हैं। आज यह मेघालय के प्रमुख पर्यटन आयोजनों में गिना जाता है। *

संगाई महोत्सव मणिपुर



मणिपुर का संगाई महोत्सव राज्य की प्राकृतिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है। इसका नाम दुर्लभ संगाई हिरण पर रखा गया है, जिसे नृत्य करता हिरण भी कहा जाता है। वर्ष 2010 में शुरू हुए इस महोत्सव का उद्देश्य मणिपुर की संस्कृति, पर्यटन, हस्तशिल्प और स्थानीय खान-पान को पहचान दिलाना है। दस दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में पारंपरिक युद्धकला थांग-ता, रासलीला, लोकनृत्य और संगीत के साथ युबी लाकपी तथा सगोल कांगजेई जैसे पारंपरिक खेल भी देखने को मिलते हैं। इस वर्ष यह रंगारंग उत्सव 21-30 नवंबर को आयोजित होगा। *

माजुली रास महोत्सव असम



ब्रह्मपुत्र नदी के बीच बसे माजुली द्वीप में रास महोत्सव भक्ति और अभिनय का अनूठा संगम है। यहां भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर उनकी बाल लीलाओं और राधा-गोपियों के साथ रासलीला तक की कथाओं को नृत्य, नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया जाता है। इस परंपरा की जड़ें 15वीं-16वीं शताब्दी के वैष्णव भक्ति आंदोलन में हैं। संत श्रीमंत शंकरदेव की विकसित की गई अंकिया नाट और सत्र परंपरा ने रासलीला को विशिष्ट पहचान दी। माजुली के सत्रों में कलाकार पारंपरिक मुखौटों, वेशभूषा और संगीत के सहारे कृष्ण कथाओं का मंचन करते हैं। रात भर चलने वाली ये प्रस्तुतियां आकर्षक होती हैं। इस बार 24-26 नवंबर को इसका आयोजन होगा। *

कूचबिहार रास मेला पश्चिम बंगाल



उत्तर बंगाल का कूचबिहार रास मेला, धार्मिक आस्था और राजसी इतिहास का सुंदर मेल है। इसका केंद्र भगवान मदनमोहन का मंदिर है। इस मेले की परंपरा कोच राजवंश के महाराजा हरेंद्र नारायण के शासन काल से जुड़ी मानी जाती है। सबसे पहले यह वेतागुड़ी में आयोजित होता था। बाद में मदनमोहन मंदिर और फिर 1912 में वर्तमान रास मेला मैदान में स्थानांतरित हुआ। यहां का विशाल रासचक्र मेले की खास पहचान है। श्रद्धालु इसकी पूजा करते हैं और इसे घुमाने की परंपरा में भाग लेते हैं। खिलौनों, मिठाइयों, घरेलू सामान और स्थानीय हस्तशिल्प की दुकानें मेले को विशाल लोकउत्सव में बदल देती हैं। इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा यानी 24 नवंबर से इसका शुभारंभ होगा। *

नगादा महोत्सव नागालैंड



नागालैंड की रेंगमा जनजाति का नगादा महोत्सव फसल कटाई के बाद मनाया जाने वाला प्रमुख पारंपरिक पर्व है। यह प्रकृति के प्रति आभार, पूर्वजों के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। खेती का काम पूरा होने और अनाज घर पहुंचने के बाद पूरा समुदाय उत्सव में शामिल होता है। लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनते हैं, लोकगीत गाते हैं, सामूहिक नृत्य करते हैं और भोज का आनंद लेते हैं। इस उत्सव की एक खूबसूरत सामाजिक परंपरा आपसी मनमुटाव भुलाकर नए सिरे से संबंधों को मजबूत करना भी है। यह केवल फसल की खुशी नहीं, बल्कि सामुदायिक जीवन और भाईचारे का उत्सव है। इस वर्ष 27-28 नवंबर को त्सेमिन्यू में इसका आयोजन होगा। *

ऐसे बन सकते हैं अपनी कंपनी के इंपॉर्टेंट-वैल्यूएबल एंप्लॉई

जिस तरह हर एंप्लॉई चाहता है कि कंपनी उसका ध्यान रखे, उसी तरह कंपनी भी आपसे बेहतर परफॉर्मेंस की उम्मीद करती है। कंपनी मैनजमेंट की नजर में इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए किस तरह के प्रयास जरूरी हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
कीर्तिशेखर



एक प्राइवेट संस्थान से मास कम्युनिकेशन में एक साल का डिप्लोमा करने के बाद प्रिया ने कई छोटे-बड़े संस्थानों में जॉब के लिए अप्लाई किया। बड़े संस्थानों में कार्यानुभव न होने के कारण उसे नौकरी मिलने में मुश्किल आ रही थी। अंततः उसने एक छोटे से मीडिया हाउस में ही बतौर असिस्टेंट ज्वॉइन कर लिया। मास कम्युनिकेशन में डिप्लोमा होने के बावजूद लेखन में रुचि न होने के कारण उसे पहले थोड़ी दिक्कत हुई। लेकिन प्रिया ने धीरे-धीरे लेखन के क्षेत्र में ध्यान देना शुरू किया। दो साल तक कड़ी मेहनत के बाद उसने अपने आपको इस लायक बना लिया कि अब उसे किसी भी बड़े संस्थान में आसानी से नौकरी मिल सकती थी। जिस संस्थान में वह कार्य कर रही थी, उसी में ही धीरे-धीरे उसकी पदोन्नति होती गई और अपनी मेहनत, कर्मठता और कार्य के प्रति समर्पण ने उसे एक स्किल्ड और इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बना दिया। उसकी कंपनी अब नहीं चाहती थी कि वह किसी भी हाल में यहां से छोड़कर जाए।



बदलें अपना दृष्टिकोण: अगर आप किसी संस्थान में नौकरी की शुरुआत करते हैं और कुछ अर्से के बाद आपके मन में यह बात आना स्वाभाविक है कि आप लगातार अपनी कंपनी के लिए मेहनत करते हैं। आप और आपके जैसे अन्य एंप्लॉइज के बूते पर ही यह कंपनी टिकी है। लेकिन कंपनी आपके बारे में क्या सोचती है? आपको लग सकता है कि कंपनी के लिए आप जो मेहनत करते हैं, उसके एवज में जो आपको वेतन मिलता है, वह वेतन अन्य कंपनियों की तुलना में कम है। सवाल है कि ऐसा सवाल क्यों उठता है? दरअसल, इसकी बड़ी वजह है कि हम स्वयं को सिर्फ एक एंप्लॉई के स्थान पर ही रखकर सोचते हैं। अगर हम खुद को मैनेजमेंट की जगह पर रखकर गंभीरता से सोचें, तो हमें इस प्रश्न का उत्तर आसानी से मिल सकता है।

जरूर रंग लाती है मेहनत: यह सही है कि किसी भी कंपनी की रीढ़ उसके एंप्लॉइज होते हैं। किसी भी संस्थान को बनाने, उसे उन्नति की ओर ले जाने और उस संस्थान को छोटे से बड़े संस्थान में परिवर्तित करने में उस संस्थान में काम करने वाले एंप्लॉइज की मेहनत, ईमानदारी, उनकी स्किल और निष्ठा ही सबसे बड़ा आधार होती है, जिसके बलबूते पर वह संस्थान उन्नति करता है। किसी भी संस्थान में यूं तो अनेक एंप्लॉइज काम करते हैं लेकिन जो अपनी सोच, अपने काम करने के तरीके और उसके परिणाम से कंपनी के नतीजों को प्रभावित करता है, वह भले ही थोड़े समय तक कंपनी की नजर में न आए लेकिन मैनेजमेंट देर-सवेर उसकी योग्यता और कार्यक्षमता को जान ही जाता है। एक बार ऐसा हो जाने पर कंपनी का रवैया उसके प्रति पूरी तरह सकारात्मक हो जाता है। ऐसे में कपनी को भी उससे अपेक्षाएं बढ़ने लगती हैं। जब आपकी कंपनी आपसे अपेक्षा करे तो समझ जाएं कि आप उस कंपनी के लिए एक एसेट जैसे बन गए हैं। इसलिए आप जहां भी हैं, अपनी योग्यता, ईमानदारी, कर्मठता और कार्य के प्रति समर्पण के बल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। यकीन मानिए आपका यह प्रयास कभी बेकार नहीं जाएगा।

रेग्युलर करें बेहतर परफॉर्म: किसी भी कंपनी में कार्यरत कर्मचारी अगर एकबारगी अपनी बेहतर कार्यक्षमता का परिचय दे तो मैनेजमेंट उसे लंबे समय तक इग्नोर नहीं करता। लेकिन कंपनी में आपकी परफॉर्मेंस में निरंतरता भी बेहद जरूरी है। वर्कप्लेस पर आपको हर दिन, हर समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। कार्य के प्रति लापरवाही, आलस या काम को टालने या फिर नजरअंदाज करने का नुकसान कंपनी को तो होता ही है, आपको भी आने वाले दिनों में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। आपकी इंपॉर्टेंस को कम कर सकती है।

करें सेल्फ एसेसमेंट: कई एंप्लॉइज की शिकायत होती है कि वे तो बहुत अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं, लेकिन मैनेजमेंट ही उन्हें नजरअंदाज करता है। हकीकत में ऐसा नहीं होता है। इसके लिए सेल्फ एसेसमेंट जरूरी है। साल में एक या दो बार अपने पूरे परफॉर्मेंस का मूल्यांकन तटस्थ होकर स्वयं करें। इससे आपको अपनी कमियों को जानने का मौका मिलेगा। सेल्फ एसेसमेंट करने के दौरान अपनी कमियों की सूची बनाएं और धीरे-धीरे उन्हें दूर करने का प्रयास करें। इससे आप खुद के प्रति मुगालते पालने की प्रवृत्ति से बचे रहेंगे और लगातार कुशलता व परिपक्वता से अपने करियर की राह में निरंतर आगे की ओर ही बढ़ेंगे। *

नदी गाथा
वीना गौतम

घाघरा ही अवध में बन जाती है सरयू



उत्तर भारत की सदाबहार नदियों में घाघरा सबसे अनोखी नदी है। यह जब तिब्बत के पठार से निकलती है और नेपाल में प्रवेश करती है, तब इसका नाम कर्णाली होता है। जब यह उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है तो घाघरा के नाम से जानी जाती है, लेकिन अवध क्षेत्र में घुसते ही इसका नाम सरयू हो जाता है और सरयू के रूप में यह श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बन जाती है। लेकिन इसके पहले तक यह प्रचुर प्रवाह के साथ बहने वाली सबसे विशाल नदियों में से एक होती है। नेपाल के पहाड़ों से होकर बहने के कारण मानसून के दौरान इसका जलस्तर न सिर्फ तेजी से बढ़ता है बल्कि इसका प्रवाह बहुत खतरनाक होता है।

नेपाल से उद्गम: नेपाल से उद्गम के बाद अपनी कई सहायक नदियों का जल लेकर यह भारत में उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में प्रवेश करती है और उसके बाद सीतापुर, गोंडा, अयोध्या, बस्ती मंडल के क्षेत्र से होते हुए गोरखपुर के आस-पास का इलाका कवर करते हुए बलिया जिले के बाद यह बिहार में प्रवेश कर जाती है और बिहार के छपरा के निकट गंगा नदी में मिल जाती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के अनेक जिलों में घाघरा, बाढ़ के संकट के रूप में जानी जाती है।

प्रचुर जलप्रवाह: 1000 से 1100 किलोमीटर लंबी घाघरा नदी गंगा की सबसे अधिक जलराशि लाने वाली सहायक नदी है। इसका औसत वार्षिक प्रवाह 2990 से 3280 घन मीटर प्रति सेकेंड होता है, जो मानसून में कई गुना ज्यादा हो जाता है। यह नदी इस वजह से खतरनाक है, क्योंकि इसका जलग्रहण क्षेत्र लगभग 1,27,950 वर्ग किलोमीटर का है, जिसका 55 फीसदी हिस्सा नेपाल में और 45 फीसदी भारत में स्थित है। घाघरा नदी का बेसिन तिब्बत, नेपाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार तक फैला है। इसकी सहायक नदियों में शामिल हैं- राप्ती, शारदा, सेती, भेरी और छोटी गंडक। अत्यधिक जल प्रवाह के कारण यह नेपाल और भारत दोनों देशों की जल व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण नदी है।

खेती-पर्यावरण के लिए उपयोगी: इसे अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश की जीवनरेखा कहें तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। इसी घाघरा नदी के कारण ही न सिर्फ इसमें दुर्लभ डॉल्फिन जल प्रजातियों का निवास है बल्कि गंगा में डॉल्फिन होने की वजह भी घाघरा है। यह हजारों मछुआरों के लिए अजीविका का आधार है और तराई की जैवविविधता को बरकरार रखने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। *

रोचक
अनिकेत सिंह

बहुत कुछ कहता है आपके चेहरे का तिल

चेहरे पर मौजूद तिल से सुंदरता तो निखरती ही है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार यह हमारे स्वभाव और भाग्य के बारे में भी बताता है। चेहरे के तिल से जुड़े संकेतों के बारे में रोचक बातें।



चेहरे का छोटा-सा तिल न केवल व्यक्ति के रूप और सौंदर्य में चार चांद लगाता है, बल्कि भारतीय परंपरा का एक अद्भुत अंग 'सामुद्रिक शास्त्र' के अनुसार वह व्यक्ति के भविष्य और स्वभाव के कई रहस्यों को भी खोलता है। सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के तिल को केवल त्वचा का चिन्ह नहीं माना जाता, बल्कि उसे ग्रहों की स्थिति और भाग्य का संकेत माना जाता है। चेहरे के किस भाग पर तिल है, उससे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, प्रेम जीवन, सफलता और उसके गुणों का अनुमान लगाया जा सकता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार चेहरे का हर तिल प्रकृति की ओर से दिया गया एक विशेष संकेत होता है। तिल का आकार जितना छोटा, स्पष्ट और गहरा (गाढ़ा) होगा, उसका संकेत उतना ही अधिक स्पष्ट होता है। आपके चेहरे पर भी कहीं न कहीं ऐसा ही कोई भाग्यशाली तिल छिपा होगा। अपने चेहरे को दर्पण में देखें तो जान सकते हैं कि प्रकृति ने आपके ललाट या गाल पर क्या संकेत उकेरा है।

माथे पर तिल: सामुद्रिक शास्त्र में माथे को बुद्धि और भाग्य का स्थान माना जाता है। जिस व्यक्ति के माथे के दाहिनी ओर तिल हो, वह बहुत धनवान, बुद्धिमान और आत्मविश्वासी से भरा होता है। वे व्यापार या नौकरी में बड़ा स्थान हासिल करते हैं। माथे के बाईं ओर तिल होना यह दर्शाता है कि व्यक्ति बहुत खर्चीले स्वभाव का है। पैसा उनके पास आता तो है, लेकिन टिकता नहीं है। माथे के मध्य में तिल वाले लोग अत्यंत ज्ञानी, गंभीर और आध्यात्मिक विचारों वाले होते हैं।

भौंहों के पास तिल: दोनों भौंहों के ठीक बीच में तिल होना राजयोग के समान माना जाता है। ऐसे लोग अत्यंत बुद्धिमान, शांत और दीर्घायु होते हैं। उन्हें जीवन में तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं। दाहिनी भौंह पर तिल दांपत्य जीवन और सफल यात्रा का संकेत देता है, जबकि बाईं भौंह पर तिल जीवन में निरंतर संघर्ष को दर्शाता है।

गाल पर तिल: गाल पर तिल चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ व्यक्तित्व के बारे में भी बहुत कुछ बताता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, दाहिने गाल पर तिल वाले लोग अत्यंत भावुक, वफादार और दयालु होते हैं। उनका दांपत्य जीवन बहुत मधुर रहता है और पार्टनर की तरफ से पूरा सहयोग मिलता है।

बाएं गाल पर तिल वाले व्यक्ति थोड़ी गुस्से वाले और जिद्दी हो सकते हैं, लेकिन वे अपने लक्ष्य के प्रति अत्यंत स्पष्ट होते हैं।

होंठ और ठोड़ी पर तिल: होंठ के ऊपर या दाहिनी-बाईं ओर तिल होना व्यक्ति के आकर्षक व्यक्तित्व और कलाप्रेमी होने की निशानी है। ऐसे लोग भोजनप्रिय होते हैं और बातचीत करने में बहुत चतुर होते हैं। ठोड़ी पर तिल वाले लोग बहुत व्यावहारिक, संस्कारी और परंपरावादी होते हैं। वे समाज में मान-सम्मान पाते हैं। उन्हें यात्रा करने और नई जगहों की खोज करने का बहुत शौक होता है।

नाक पर तिल: नाक पर तिल होना व्यक्ति के तीक्ष्ण दिमाग और स्वाभिमान का संकेत है। जिन लोगों की नाक की ठीक नोक पर तिल होता है, वे बहुत तेजी से निर्णय लेने वाले और हाजिरजवाब होते हैं। हालांकि उन्हें कभी-कभी जल्दी गुस्सा आ जाता है, लेकिन उनका गुस्सा लंबे समय तक नहीं टिकता।

आंखों के पास तिल: आंख की पलकों के कोने पर तिल हो तो वह व्यक्ति अत्यंत शांत, गंभीर और संतोषी स्वभाव का होता है। दाहिनी आंख के कोने पर तिल व्यक्ति को अत्यंत भावुक बनाता है। *

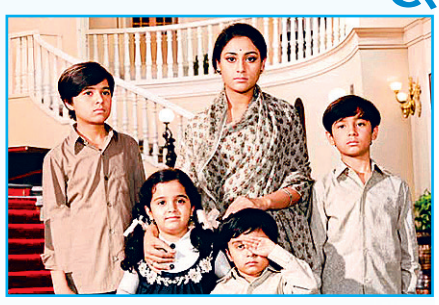
सिने ट्रेंड
अशोक जोशी

हिंदी फिल्मों में ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से ही बच्चों पर केंद्रित या उनसे जुड़े तमाम विषयों पर फिल्में बनती रही हैं। ऐसी फिल्में न केवल बड़ी-छोटी उम्र के दर्शकों का मनोरंजन करती हैं, साथ जरूरी सवाल पर विचार करने के लिए प्रेरित भी करती हैं। कल ही बाल दिवस बीता है। इस अवसर पर ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

सिल्वर स्क्रीन पर चमकता रहा है बच्चों की फिल्मों का जादू



फिल्म 'जागृति' का एक दृश्य



फिल्म 'परिचय' में बाल कलाकारों के साथ जया भादुड़ी

अपने शुरुआती दौर से हिंदी फिल्में कई तरह की शैलियों यानी जॉनर में बनती रही हैं। इनमें रोमांटिक, ट्रेजडी, कॉमेडी, हिस्टोरिकल, माइथो, फैमिली ड्रामा, सस्पेंस, थ्रिलर, क्राइम जैसी फिल्में शामिल हैं। लेकिन इस वर्गीकरण से अलग एक वर्ग और है, जिसकी फिल्में न केवल बनती रही हैं बल्कि बॉक्स आफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स भी देती रही हैं। यह वर्ग है बच्चों से जुड़ी फिल्मों का। स्वतंत्र फिल्मकार बच्चों के विषय से जुड़ी फिल्में बनाते रहे हैं।

शुरुआती दौर की फिल्में: 1954 में राजकपूर द्वारा निर्मित और प्रकाश अरोड़ा द्वारा निर्देशित 'बूट पॉलिश' सफल फिल्म थी, जिसमें दो अनाथ बच्चों की कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म को 1955 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिला था। वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म 'अब दिल्ली दूर नहीं' की कहानी अख्तर मिर्जा और साहित्यकार राजिंदर सिंह बेदी ने लिखी थी, जिसका निर्देशन अमर सिंह ने किया था। इस फिल्म में 1951 का भारत दिखाया गया। एक बच्चा, जो कि उम्मीद भरी आंखों से एक नए स्वतंत्र भारत को देखता, वह कैसे पंडित जवाहर लाल नेहरू से मिलने के लिए दिल्ली पहुंच जाता है। उसके सामने क्या-क्या कठिनाइयां आती हैं। वह कैसे अपने पिता को जेल से रिहा कराता है? फिल्म की कहानी में उस छोटे बच्चे के संघर्ष को दिखाया गया है। 1960 में सत्येन बोस निर्देशित और अशोक कुमार, डेजी इरानी, हनी इरानी अभिनीत फिल्म 'मासूम' भी सफल थी। इसके एक साल बाद 1961 में बिमल रॉय द्वारा निर्मित फिल्म 'काबुलीवाला' एक बच्ची और अफगानिस्तान से सूखे मेवे बेचने आए पठान के निश्छल प्रेम की कहानी है। व्यावसायिक फिल्मों के पुरोधा एस. मुखर्जी ने जब बच्चों पर आधारित 'जागृति' का निर्माण किया तो उन्होंने भी निर्देशन की कमान सत्येन बोस को ही सौंपी।

बदलने लगा फिल्मों का स्वरूप: सत्तर के दशक में देशभर के स्कूली बच्चों को तपन सिन्हा की 'सफेद हाथी' और श्याम बेनेगल की 'चरणदास चोर' जैसी फिल्में दिखाई जाती थीं। इसके बाद दूसरा दौर आया तो बच्चों के लिए गुलजार ने 'परिचय' और 'किताब' जैसी फिल्में बनाई। बदलते दौर में सिनेमा का अंदाज बदला तो बच्चों से जुड़ी फिल्मों की कहानी और प्रस्तुतिकरण का अंदाज भी बदला। वर्ष 2003 में प्रदर्शित राकेश रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' में बच्चों के लिए एक नया विषय और दूसरे ग्रह से आया जादू को रोचक अंदाज में पेश किया गया।



बच्चों को खूब पसंद आई फिल्म 'कोई मिल गया'

जरूरी मुद्दे उठाती फिल्में: 2007 में प्रदर्शित आमिर खान निर्देशित 'तारे जमीं पर' भारत में शिक्षा प्रणाली पर एक महत्वपूर्ण चोट देती है। इस फिल्म की कहानी हमारे देश के लाखों बच्चों की है, जो कि डिस्लेक्सिया से पीड़ित हैं और इसी कारण से वे सीखने में असक्षम हैं। ऐसे बच्चों को किस तरह से सिखाना चाहिए, यह फिल्म के जरिए बताने की कोशिश की गई। इसी तरह 2010 में प्रदर्शित 'उड़ान' बॉलीवुड की एपिक फिल्मों में से एक है। यह फिल्म बच्चों और माता-पिता के बीच के कम्यूनिकेशन गैप को दर्शाती है। फिल्म में दिखाया गया कि कैसे कई बार परिजन बच्चों को अनुशासन सिखाने के चक्कर में उन पर हद से ज्यादा कंट्रोल करने लगते हैं। बच्चों



फिल्म 'तारे जमीं पर' ने उठाया जरूरी मुद्दा

में अनुशासन होना चाहिए, इतना नहीं कि उनका दम घुटने लगे। यह फिल्म ऐसे ही एक पिता और उसके बच्चों की कहानी को दर्शाती है।

2011 में अमोल गुप्ते निर्देशित 'स्टेनली का डब्बा' एक ऐसे बच्चे की कहानी है, जो किसी वजह से अपना टिफिन नहीं ला पाता। वहीं, हिंदी के टीचर वर्माजी (अमोल गुप्ते) भी अपना लंच बॉक्स नहीं लाते। उनकी नजर बच्चों के लंच बॉक्स पर रहती है। अमोल ने एक हमेशा भूखे रहने वाले टीचर का किरदार बखूबी निभाया था। यह एक मजेदार कॉमेडी फिल्म थी।

इसी साल प्रदर्शित 'आई एम. कलाम' एक गरीब बच्चे की जिंदगी पर आधारित थी, जो टीवी पर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को पढ़ाई पर जोर देते हुए देखता है तो उसके मन में भी पढ़-लिखकर कुछ बनने का सपना जागता है। यह बच्चा हर तरह से मजदूरी कर केवल पढ़ाई करने की इच्छा रखता है। इस दौरान उसके जीवन में आने वाली कठिनाइयों को फिल्म में दिखाया गया है।

बच्चों से जुड़ी अन्य फिल्में: बच्चों पर आधारित पुराने दौर की फिल्मों में 'ब्रह्मचारी', 'आखिरी खत', 'छोटा चेतन', 'राजा और रंक' तथा 'चंदा और बिजली' ने बाल सुलभ विषय को पर्दे पर सफलता के साथ पेश किया। आज के दौर की 'चिल्लर पार्टी', 'बजरंगी भाईजान','द ब्लू अंब्रेला', 'मासूम', 'मिस्टर इंडिया', 'गट्टू', 'दो दूनी चार', 'इकबाल' और 'भूतनाथ' ने भी बच्चों का दिल बहलाया। *